



**भारतीय रिज़र्व बैंक**  
**RESERVE BANK OF INDIA**

वेबसाइट : [www.rbi.org.in/hindi](http://www.rbi.org.in/hindi)  
Website : [www.rbi.org.in](http://www.rbi.org.in)  
ई-मेल/email : [helpdoc@rbi.org.in](mailto:helpdoc@rbi.org.in)

संचार विभाग, केंद्रीय कार्यालय, शहीद भगत सिंह मार्ग, फोर्ट, मुंबई - 400 001

Department of Communication, Central Office, Shahid Bhagat Singh Marg, Fort, Mumbai - 400 001 फोन/Phone: 022 - 2266 0502



13 फरवरी 2023

**भारतीय रिज़र्व बैंक ने अनियमित उधार कार्य-प्रणालियों के कारण दो गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों का पंजीकरण प्रमाणपत्र (सीओआर) निरस्त किया**

भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45-आईए (6) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए रिज़र्व बैंक ने निम्नलिखित दो गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को जारी पंजीकरण प्रमाणपत्र (सीओआर) निरस्त किया है:

| क्र. सं. | एनबीएफसी का नाम                                   | पंजीकृत कार्यालय का पता   | सीओआर सं.   | सीओआर जारी करने की तिथि | सेवा प्रदाता/मोबाइल ऐप का नाम   |
|----------|---|---|-------------|-------------------------|---|
| 1        | कुडोस फाइनेंस एंड इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड | 7वीं मंजिल, ईस्ट विंग, मैरीसॉफ्ट-3, मैरीगोल्ड प्रिमाइसेस, कल्याणी नगर, पुणे -411014 | एन-13.01958 | 3 फरवरी 2010            | फ्लैशकैश, पैन्युन टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, बॉर्नब्रेव टेक्नोलॉजीस प्राइवेट लिमिटेड |
| 2        | क्रेडिट गेट प्राइवेट लिमिटेड                      | B-1011, काणकिया वॉल स्ट्रीट, चकाला सिग्नल के पास, अंधेरी (पूर्व), मुंबई-400059      | एन-13.02199 | 3 अप्रैल 2018           | डिजीपीरगो टेक प्राइवेट लिमिटेड, स्काई लाइन इनोवेशन टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड   |

अतः, उपर्युक्त कंपनियाँ, भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45-आई के खंड (ए) में यथापरिभाषित गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्था (एनबीएफसी) का कारोबार नहीं करेंगी।

उपर्युक्त एनबीएफसी के सीओआर को, अन्य पक्ष के ऐप के माध्यम से किए गए डिजिटल ऋण परिचालन में भारतीय रिज़र्व बैंक के आउटसोर्सिंग और उचित व्यवहार संहिता संबंधी दिशानिर्देशों के उल्लंघन, जिसे जनहित के लिए हानिकारक माना गया, के कारण निरस्त कर दिया गया है। ये कंपनियाँ अत्यधिक ब्याज वसूलने से संबंधित वर्तमान नियमों का भी पालन नहीं कर रही थीं और ऋण वसूली के लिए ग्राहकों का अनुचित उत्पीड़न किया।

(योगेश दयाल)

मुख्य महाप्रबंधक